फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 93 प्रभात जयपुर, सोमवार 2 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com



Beyond Good Morning

"Will we be able to go further from good morning msg also.. lol"
(A gentleman on a chat app)

Art in the Nation's Founding Document

Why Call "W" a Double U When It Looks Like a Double V?

यह विरोध प्रदर्शन, देश के लोकतंत्र को बचाने की आवाज है- राहुल गांधी

विपक्ष की रैली में कांग्रेस नेताओं के साथ, अखिलेश, ममता, फारूख, महबूबा व तेजस्वी यादव शामिल हुए

- **रैली से पहले विपक्षी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मिंटो रोड से रामलीला मैदान तक रैली निकाली। खुले वाहन में सवार विपक्षी नेता सवार होकर रामलीला मैदान पहुँचे।**

नई दिल्ली, 01 नवंबर। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि 2024 का लोकसभा चुनाव अवैध था और उसमें मतदाताओं के नाम काटे गए थे। राहुल गांधी ने कहा कि देश को सही रास्ते पर लाने के लिए सबसे पहला कदम ज्ञानेश कुमार को पद से हटाना है।

रैली से पहले विपक्षी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मिंटो रोड से रामलीला मैदान तक मार्च निकाला। मार्च में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती और राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव सहित विपक्षी दलों के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

खुले वाहन में सवार होकर पहुंचे नेताओं का रामलीला मैदान में स्वागत किया गया। इसके बाद मंच से विपक्षी नेताओं ने सभा को संबोधित किया। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की नेहा बोरा ने भी मंच से संबोधित किया। मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, फारूक अब्दुल्ला, ममता बनर्जी और महबूबा मुफ्ती के संबोधन के बाद राहुल गांधी ने मंच संभाला।

राहुल गांधी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पद से हटेंगे और उन्हें जेल जाना पड़ेगा। यह सामान्य चोरी नहीं बल्कि देश के हर नागरिक के वोट और उसकी आवाज की चोरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी के कारण लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि हर भारतीय की आवाज विपक्ष के लिए जरूरी है। यह विरोध प्रदर्शन देश के लोकतंत्र को बचाने की आवाज है। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा किया जा रहा है। इसका असर किसानों, युवाओं और आम नागरिकों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसान को उसकी मेहनत का फल मिलना चाहिए और 18 घंटे पढ़ाई करने वाले छात्र को शिक्षा और रोजगार के रूप में उसका परिणाम मिलना चाहिए।

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दोनों नेता ज्ञानेश कुमार को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। खड़गे ने दावा किया कि महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश में जनता ने सरकारें नहीं चुनीं बल्कि चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी करके सरकारें बनाई गईं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र बचाने के लिए मोदी को हटाना जरूरी है। खड़गे ने कार्यकर्ताओं से संघर्ष जारी रखने की अपील की।

लोकतंत्र के नाम पर अराजकता फैलाने की साज़िश है- नड्डा

नई दिल्ली, 01 नवंबर। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन की महारैली को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान में आज जो कुछ हो रहा है, वह लोकतंत्र के प्रति सम्मान नहीं बल्कि लोकतंत्र के नाम पर देश को अराजकता में धकेलने की सोची-समझी साजिश है।

नड्डा ने रविवार को एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि यह उन लोगों का सुनियोजित नाटक

- **केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जनता इनकी सच्चाई को अच्छी तरह समझती है।**

है, जिन्हें जनता बार-बार नकार चुकी है। जनता इस सच्चाई को अच्छी तरह समझती है। राहुल गांधी की राजनीति का मॉडल बताते हुए उन्होंने कहा कि इसकी पहली कड़ी, झूठ और अफवाह फैलाना है। दूसरी कड़ी सड़कों पर अराजकता और अव्यवस्था पैदा करना, तीसरी कड़ी देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाना और चौथी कड़ी विदेशी ताकतों के इशारे पर चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का प्रयास करना है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और इंडी गठबंधन लोकतंत्र की आड़ में ऐसा राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे देश की शांति, अर्थव्यवस्था और लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हो। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस नवंबर के काले इतिहास को नहीं छिपा सकते और न ही दिल्ली के व्यापारियों के आँसुओं का हिसाब देने से बच सकते हैं। भारत एक सशक्त लोकतंत्र है, जो आपकी 'दंगा आधारित राजनीति' से नहीं बल्कि संविधान और जनता के जनादेश से चलेगा।

हमले की चर्चाओं के बीच ट्रंप की नेतन्याहू से फोन पर वार्ता

कहते हैं कि दोनों ने सैन्य कार्यवाही के विभिन्न रणनीतिक विकल्पों पर विचार किया

- **अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो ने कहा कि ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत लगातार जारी है। उन्होंने बातचीत की समय सीमा और अब तक की प्रगति के बारे में कुछ भी बताने से इंकार किया।**

वाशिंगटन डीसी, 01 नवंबर। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने शनिवार को इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब वाशिंगटन ईरान के खिलाफ नए सिरे से सैन्य कार्रवाई की संभावनाओं का आकलन कर रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इस बातचीत से परिचित सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है।

अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सप्ताह की शुरुआत में वाइट हाउस में हुई एक बैठक के बाद दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत हुई। इस बैठक में ट्रंप ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान दोबारा शुरू करने के संभावित विकल्पों पर चर्चा की थी। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर विभिन्न रणनीतिक विकल्पों पर विचार कर रहा है। हालांकि, बातचीत में किन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई और किसी सैन्य कार्रवाई को लेकर क्या फैसला लिया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रुबियो ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत लगातार जारी है और इसमें कोई रुकावट नहीं आई है। हालांकि, उन्होंने बातचीत की समयसीमा या अब तक हुई प्रगति के बारे में कुछ भी बताने से इनकार किया। रुबियो ने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ आगे सैन्य कार्रवाई को लेकर अभी कोई फैसला नहीं लिया है।

जॉर्जिया में जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के समापन पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए रुबियो ने कहा कि अमेरिका अब भी ऐसे कूटनीतिक समाधान के लिए तैयार है, जो उसकी बुनियादी सुरक्षा चिंताओं को दूर कर सके। उन्होंने ईरान पर वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाकर समुद्री क्षेत्र में आक्रामक गतिविधियां करने और मध्य पूर्व में अस्थिरता फैलाने वाले सशस्त्र समूहों का समर्थन करने का आरोप भी लगाया।

व्यापारियों ने विपक्ष की रैली से 11 हजार करोड़ रूपए के नुकसान का दावा किया

चैम्बर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के अनुसार, दिल्ली की 80 प्रतिशत दुकानें बंद रहीं

- **सीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि सामान्य दिनों में दिल्ली के बाज़ारों में खरीददारी करने 3-4 लाख लोग आते हैं। रैली के कारण एक नवम्बर को यह संख्या बहुत कम रही।**

नई दिल्ली, 01 नवंबर। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली का असर राजधानी के कारोबार पर भी देखने को मिला। व्यापारिक संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने दावा किया है कि रैली के कारण दिल्ली के व्यापार को करीब 11,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। संगठन के मुताबिक, रैली वाले दिन राजधानी के करीब 80 प्रतिशत बाजारों की दुकानें बंद रहीं। इससे दिवाली से पहले खरीदारी और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हुईं।

सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि रैली से पहले करीब 10 लाख लोगों के जुटने की संभावना जताई गई थी। इसके लिए 15 से 20 हजार वाहनों के दिल्ली पहुंचने का अनुमान था। इसी वजह से राजधानी में कई दिनों से ट्रैफिक प्रतिबंधों और आवाजाही को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। इसका सीधा असर बाजारों और कारोबार पर पड़ा।

समाचार एजेंसी से बातचीत में बृजेश गोयल ने बताया कि सामान्य दिनों में दिल्ली के बाजारों में खरीदारी और कारोबार के लिए रोजाना 3 से 4 लाख लोग बाहर से आते हैं। लेकिन, रैली वाले दिन ग्राहकों की संख्या काफी कम रही। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान के आसपास के 22 से 25 प्रमुख बाजारों में करीब 3 लाख दुकानें हैं। बाजार संघों से मिली जानकारी के आधार पर अनुमान है कि शाम तक लगभग 2.5 लाख दुकानें बंद रहीं। यह कुल दुकानों का करीब 80 प्रतिशत है। जो दुकानें खुली थीं, वहां भी कारोबार बेहद कम हुआ।

सीटीआई के मुताबिक, रैली का असर केवल बाजारों तक सीमित नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नया चक्रवाती तूफान ''मुरासु'' 3 की सुबह आंध्र पहुंचेगा

नई दिल्ली, 01 नवंबर। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान 'मुरासु' में तब्दील हो गया है। आज सुबह 11:30 बजे यह तूफान दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर

- **दक्षिण भारत के कई राज्यों में बहुत भारी वर्षा का अनुमान है।**

केंद्रित था। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ ने और 2 नवंबर की सुबह तक भीषण चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है।

मौसम विभाग के मुताबिक तूफान आगे उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ ते हुए दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। संभावना है कि 2 नवंबर की आधी रात 11:30 बजे से 3 नवंबर की सुबह 4 बजे के बीच तूफान नेल्लोर और नरसापुर के बीच तट पार कर सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक चक्रवाती तूफान के प्रभाव से दक्षिण भारत के कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 1 और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अदालतों में न्याय मांगना महंगा या अव्यवहारिक होना नियम नहीं'

'केन्द्र की भर्ती में अगर राज्य शामिल है तो विवाद होने पर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया जा सकता है'

-कार्यालय संवाददाता-

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने सशस्त्र सीमा बल की कांस्टेबल ड्राईवर की भर्ती से संबंधित विवाद पर केन्द्र सरकार की अपील खारिज की**
- **हाईकोर्ट ने एकलपीठ के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि, ''सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट कर चुका है कि, जब याचिकाकर्ता के समक्ष कई तरह की अदालत चुनने का विकल्प हो, तब उसे उस अदालत को चुनने का अधिकार है, जो उसके लिए सबसे सुविधाजनक हो।''**

जयपुर, 1 नवंबर । राजस्थान हाईकोर्ट में सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) में कांस्टेबल ड्राईवर की भर्ती से संबंधित विवाद पर सुनवाई हुई। अदालत के समक्ष विवाद यह था कि, चूंकि यह भर्ती भारत सरकार द्वारा देशभर में की जा रही है, ऐसे में क्या इस भर्ती से जुड़े विवाद राजस्थान हाईकोर्ट में सुने जा सकते हैं? केन्द्र सरकार की ओर से अदालत के समक्ष सवाल उठाया गया था कि, क्या याचिकाएं राजस्थान हाईकोर्ट में सिर्फ इसलिए दायर की जा सकती हैं, क्योंकि, भर्ती प्रक्रिया के दौरान कुछ अथॉरिटी ऐसी थी जो राजस्थान में कार्यरत हैं और राज्य सरकार भी इस प्रक्रिया में शामिल है?

मुख्य न्यायाधीश एस.के.अग्रवाल और न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह ने इस मामले पर फैसला देते हुए कहा कि, सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट कर चुका है कि, जब याचिकाकर्ता के समक्ष कई तरह की अदालत चुनने का विकल्प हो, तब उसे उस अदालत को चुनने का अधिकार है, जो उसके लिए सबसे सुविधाजनक हो। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि, याचिकार्ता अभ्यर्थी राजस्थान के मूल निवासी हैं, इन्होंने राजस्थान में ही भर्ती के लिए आवेदन फॉर्म डाऊनलोड किया और यहां पर ही उसे भरा, इसलिए अतिरिक्त पैसे खर्च करके किसी अन्य अदालत में जाकर राहत की गुहार करने से अच्छा है कि वे राजस्थान में ही रिट याचिका दायर करके अपने हक की लडाई लड सकें। अदालत में केन्द्र सरकार की ओर से कहा गया था कि, भर्ती प्रक्रिया का कुछ हिस्सा ही राजस्थान में आयोजित किया गया था, जैसे पी.ई.टी. और पी.एस.टी. व कम्प्यूटर टेस्ट यहां पर हुए थे, ट्रेड टेस्ट बिहार में आयोजित हुए थे, और मेडिकल एक्जाम दिल्ली में हुआ था।

याचिकाकर्ता सुनील कुमार व अन्य ने हाईकोर्ट की एकलपीठ में रिट याचिका इसलिए दायर की थी, क्योंकि वह बिहार में फिटनेस टेस्ट में उत्तीर्ण नहीं हुए थे। अदालत ने केन्द्र सरकार को कहा था कि याचिकाकर्ताओं का फिटनेस सर्टिफिकेट उपलब्ध है, जो उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टर्स ने दिए हैं, इसलिए उनका रिव्यू मेडिकल टेस्ट किया जाये।

एकलपीठ के इस आदेश के खिलाफ केन्द्र सरकार ने राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ में अपील दायर की थी। इस प्रकरण की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता सुनील कुमार सैनी पैरवी के लिए पेश हुए थे। खंडपीठ ने केन्द्र सरकार की अपील याचिका को खारिज करते हुए एकलपीठ के फैसले का सही ठहराया है।

भाजपा ने दिल्ली की दुकानें बंद कराईं- राहुल

नई दिल्ली, 01 नवंबर। कांग्रेस नेता व लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर, रविवार को 'चलो दिल्ली रामलीला मार्च' के दौरान कनॉट प्लेस और अन्य बाजारों की दुकानों को बंद कराए जाने

- **उन्होंने कहा कि भाजपा ने दुकानदारों का नुकसान कराया।**

का आरोप लगाया है। राहुल गांधी का कहना कि हमने मार्च में आने वालों से यहां खरीददारी करने की अपील की थी, जिससे दुकानदारों का फायदा हो सके, लेकिन कनॉट प्लेस आते समय पता चला कि भाजपा ने जबरदस्ती दुकानें बंद करवा दीं, देश देख रहा है कि भाजपा दुकानदारों को नुकसान कर रही है।

रामलीला मैदान में आज इंडी गठबंधन की 'वोट बचाओ-देश बचाओ' महारैली का आयोजन करके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मंच और सभा में विपक्षी दलों की एकता स्पष्ट नज़र आई

सड़कों और रामलीला मैदान में विभिन्न दलों के कार्यकर्ता अपनी पार्टी के झंडों के साथ सक्रिय रहे

- **''वोट बचाओ देश बचाओ'' रैली के बाद सभा में नेताओं के भाषणों को नारों और तालियों का पूरा साथ मिला।**

नई दिल्ली, 01 नवंबर। रामलीला मैदान में रविवार को आयोजित इंडिया गठबंधन की वोट बचाओ-देश बचाओ रैली में विपक्षी एकजुटता की तस्वीर मंच से कहीं आगे तक दिखाई दी। मंच पर गठबंधन के घटक दलों के नेता एक साथ मौजूद थे तो मैदान के भीतर और वहां तक पहुंचने वाली सड़कों पर विभिन्न दलों के कार्यकर्ता और समर्थक अपने-अपने झंडों के साथ डटे थे। कांग्रेस से लेकर गठबंधन के अन्य दलों के झंडों से पटा मैदान और आसपास की सड़कों पर समर्थकों की मौजूदगी ने रैली को शक्ति प्रदर्शन का रूप दे दिया। नेताओं के भाषणों के दौरान लगातार गूंजते नारों और तालियों से मंच पर मौजूद नेताओं को मैदान में बैठे समर्थकों का पूरा साथ मिला।

रैली का नेतृत्व कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और अन्य प्रमुख विपक्षी नेताओं ने किया।

रैली में शामिल होने के लिए समर्थकों का पहुंचना सुबह करीब नौ बजे से ही शुरू हो गया था। इसके बाद रामलीला मैदान की ओर आने वाले लोगों का सिलसिला लगातार बढ़ ता रहा। दोपहर तीन बजे रैली शुरू होने तक समर्थक पहुंचते रहे। मैदान में अलग-अलग दलों के झंडे लहराते कार्यकर्ताओं के समूह दिखाई दे रहे थे। वहीं, मैदान की ओर आने वाली सड़कों पर भी गठबंधन के दलों के समर्थकों की आवाजाही बनी रही। इस तरह रैली का माहौल केवल आयोजन स्थल तक सीमित नहीं था, बल्कि आसपास के इलाके में भी राजनीतिक सरगर्मी दिखाई दे रही थी।

रैली में नेताओं के भाषण शुरू होने से पहले ही समर्थकों का उत्साह बनाए रखने के लिए लाउडस्पीकर से बीच-बीच में देशभक्ति के गीत सुनाए जाते रहे। गीतों की धुन के बीच समर्थक अपनी-अपनी पार्टी के झंडे लहराते और नारे लगाते नजर आए। मंच से संबोधन शुरू होने तक मैदान में राजनीतिक उत्साह का माहौल बन चुका था। अलग-अलग दलों के झंडों की मौजूदगी गठबंधन की साझा राजनीतिक ताकत के साथ-साथ उसके घटक दलों की भागीदारी भी दिखा रही थी।

दिल्ली रैली और मार्च को लेकर 10 लाख लोगों के जुटने की उम्मीद जताई गई थी, जबकि पुलिस अनुमान के अनुसार भीड़ 50,000 के करीब रही। नेताओं के साथ-साथ छात्र समूहों, नागरिक समाज संगठनों, श्रमिक संघों, महिलाओं और युवाओं ने भी इस प्रदर्शन में बढ़ -चढ़ कर हिस्सा लिया।

रैली के कारण दिल्ली के कई क्षेत्रों में जाम रहा

नई दिल्ली, 01 नवंबर। रविवार को रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की रैली के कारण मध्य दिल्ली के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात जाम देखा गया। पुलिस ने बताया कि सड़क बंद होने के कारण आईटीओ सहित कई क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही धीमी रही। इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

विपक्षी दलों द्वारा कथित वोट चोरी के विरोध में यह रैली आयोजित की गई

- **कई सड़कों पर यातायात प्रतिबंधों के कारण गाड़ियों की गति बहुत धीमी रही।**

थी। इसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागी शामिल हुए। इससे क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही काफी बढ़ गई। कई सड़कों पर यातायात प्रतिबंध भी लगाए गए थे। दिल्ली यातायात पुलिस ने रैली से पहले विस्तृत परामर्श जारी किया था। इस परामर्श में यातायात मोड़, प्रतिबंध और वैकल्पिक मार्गों की घोषणा की गई थी। यह परामर्श विशेष रूप से रामलीला मैदान और आसपास के क्षेत्रों की ओर यात्रा करने वालों के लिए था।

इन व्यवस्थाओं के बावजूद, रविवार शाम को कई व्यस्त मार्गों और चौराहों पर भारी यातायात देखा गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राहुल गांधी 1984 के दंगों की माफी मांगें'

नई दिल्ली, 01 नवंबर। 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों को न्याय दिलाने और उनके समर्थन में रविवार को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सिख संगठनों ने विरोध मार्च निकाला। हरिनगर बस डिपो से

- **भाजपा व सिख संगठनों ने 1984 के सिख विरोधी दंगा पीड़ितों के लिए विरोध मार्च निकाला।**

तिलकनगर तक निकाले गए 1 किमी. के मार्च में बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के नेतृत्व में विरोध मार्च में नेताओं ने राहुल गांधी से 1984 के दंगों के पीड़ितों से माफी मांगने की मांग की। मार्च केंद्रीय कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)